

<p>अज अदालत उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर, डीग हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज प्रमोद बनाम सुरेन्द्र सिंह</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए</p>
---	--

<p>कदमा किरम:- दावा अन्तर्गत धारा 53,188 आर.टी.एक्ट.,</p>	<p>मुकदमा नम्बर 89 /2025,</p>
---	-------------------------------

<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए</p>
--------------------	---	--

<p>25.06.2025</p>	<p>पत्रावली को वकील वादी ने पेश किया। वकील वादी को सुना गया। अतः प्रा0 पत्र अन्तर्गत धारा 53,188 आर.टी.एक्ट, दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रति0 को जरिये सम्मन तलब कर पत्रावली वास्ते तलबी प्रति0 हेतु दिनांक 08.08.2025 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;"><b>उपखण्ड अधिकारी डीग (डीग) राज.</b></p> <p>8-8-25 पत्रावली को वकील वादी ने पेश किया। वकील वादी को सुना गया। अतः प्रा0 पत्र अन्तर्गत धारा 53,188 आर.टी.एक्ट, दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रति0 को जरिये सम्मन तलब कर पत्रावली वास्ते तलबी प्रति0 हेतु दिनांक 08.08.2025 को पेश हो।</p> <p>15-9-25 आज यह पत्रावली वकील पत्रावली के निवेदन व प्रा पत्र पर तलब की गई। वकील पत्रावली ने प्रा पत्र 23 नियम। जाण ही पेश किया। प्रा. पत्रा. किमा प्रार्थना पत्र स्वीकार किया गया। वकील पत्रावली के बताना कि वकील एक प्रतिवादी के आवास के लिए अदालत की जाणगी से पंच पटेली न आपस के शर्जीनाका करा दिया है। दावा विद्वा कर स्वरिज किया जाना अति आवश्यक है। अतः प्रा0 पत्र स्वीकार किया जाकर दावा की वादी को विद्वा करने की अनुमति दी जाकर दावा स्वरिज किया जाता है। पत्रावली इसी तरह प्रा प्रेशल शुम्भ लेफ्ट नका से पत्र है</p> <p style="text-align: center;"><b>उपखण्ड अधिकारी डीग (डीग) राज.</b></p>	<p>में रजिनाका होने पर पत्रावली लेता है। उपखण्ड अधिकारी डीग (डीग) राज. 15/9/25</p>
-------------------	---	--